

क्रिया के जिस रूप से किसी कार्य के करने का समय पता चलता है, उसे क्रिया का काल कहते हैं।

i. आप पढ़ाते हैं।

iii. संपादक थाना पहुँच चुके थे।

ii. बारात आई।

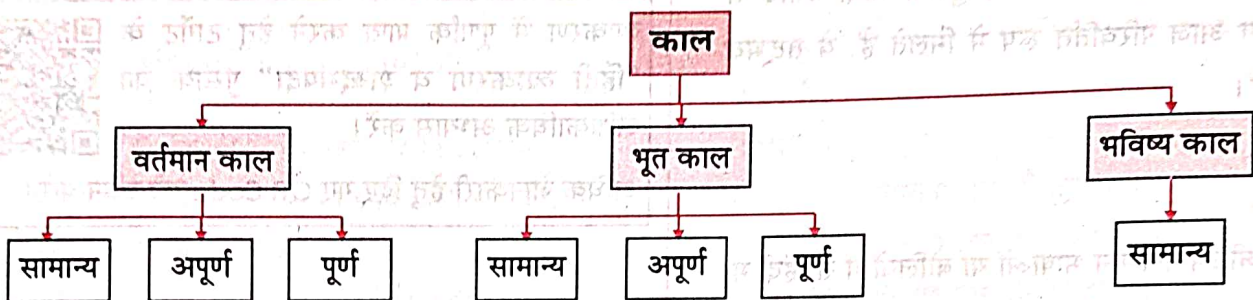
iv. आमदनी बढ़ेगी।

काल के तीन भेद हैं:

१. वर्तमान काल

२. भूत काल

३. भविष्य काल



१. वर्तमान काल: क्रिया के जिस रूप से वर्तमान समय में कार्य होने का बोध हो, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

उदाहरण: मोहन मुरली बजाता है।

वर्तमान काल के निम्नलिखित भेद हैं:

क. सामान्य वर्तमान काल: क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि वर्तमान समय में कार्य होता है, उसे सामान्य वर्तमान काल कहते हैं।

उदाहरण:

i. मैं खाना खाता हूँ। ii. तुम गेंद खेलते हो?

ख. अपूर्ण वर्तमान काल: क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि वर्तमान समय में कार्य पूर्ण नहीं हुआ है अर्थात् कार्य चल रहा है, उसे अपूर्ण वर्तमान काल कहते हैं।

उदाहरण:

i. मैं घर जा रहा हूँ। ii. तुम सो रहे हो।

ग. पूर्ण वर्तमान काल: क्रिया के जिस रूप से यह बोध होता है कि वर्तमान समय में कार्य समाप्त हो गया है, उसे पूर्ण वर्तमान काल कहते हैं।

उदाहरण:

i. मैं आपके पैसे लाया हूँ।

ii. मैंने पाठ पढ़ा है।

२. भूत काल: क्रिया के जिस रूप से भूत काल में हुए कार्य का बोध हो, उसे भूत काल कहते हैं। इस काल में बीते समय में किसी कार्य के पूर्ण होने की सूचना मिलती है।

उदाहरण: श्याम ने गीत गाया।

भूत काल के निम्नलिखित भेद हैं -

क. सामान्य भूत काल: क्रिया के जिस रूप से यह बोध होता है कि कार्य समाप्त हो गया, उसे सामान्य भूत काल कहते हैं।

उदाहरण:

i. मैंने खाना खाया।

ii. रुचि वर्ग में प्रथम आई।

ख. अपूर्ण भूत काल: क्रिया के जिस रूप से यह बोध होता है कि क्रिया भूत काल में हो रही थी, उसे अपूर्ण भूत काल कहते हैं।

उदाहरण:

i. अहमद मियाँ रो रहे थे।

ii. हम घाटी में नीचे उतरते जा रहे थे।

ग. पूर्ण भूत काल: क्रिया के जिस रूप से यह बोध होता है कि क्रिया बहुत पहले समाप्त हो चुकी थी, उसे पूर्ण भूत काल कहते हैं।

उदाहरण:

- i. उन्होंने कहा था।
- ii. मैंने छुट्टी माँगी थी।

३. भविष्य काल: क्रिया के जिस रूप से भविष्य में होने वाले कार्य का बोध हो, उसे भविष्य काल कहते हैं।

उदाहरण:

- i. राम मुँबई जाएगा।
- ii. पिता जी नई गाड़ी खरीदेंगे।

पाठ्यक्रमानुसार भविष्य काल का एक भेद निम्नलिखित है:

- का. सामान्य भविष्य काल: क्रिया के जिस रूप से यह मालूम होता है कि कार्य आने वाले समय में होगा उसे सामान्य भविष्य काल कहते हैं।

उदाहरण:

- i. मैं आपके साथ विद्यालय भी चर्खूँगा।
- ii. गौ सच्ची खाएगी।

स्वाध्याय

क.१. सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

- i. बोरी कंचे पर लटका अमरू चल दिया।
(सामान्य वर्तमान काल)
- ii. मैं खुद तुम्हें पैसे देना चाहता हूँ। (अपूर्ण भूत काल)
- iii. वह खिलखिलाकर हँस रहा था।
(सामान्य भविष्य काल)
- iv. वे सत्त्व की चर्चा करते हैं। (पूर्ण वर्तमान काल)
- v. मैं तुम्हें सबक सिखाना चाहता था।
(अपूर्ण वर्तमान काल)
- vi. वे दवाइयों का बैग उठाकर चले गए।
(सामान्य भविष्य काल)
- vii. विज्ञान अपनी चरमसीमा तक पहुँच चुका है।
(पूर्ण भूत काल)
- viii. उन्हें नमन करने का मन करता है।
(सामान्य भविष्य काल)
- ix. धीरे-धीरे आदमी का महत्त्व कम होते गया।
(सामान्य वर्तमान काल)
- x. उद्योगों के विकास से मशीनों की संख्या बढ़ रही है।
(पूर्ण भूत काल)

उत्तर:

- i. बोरी कंचे पर लटका अमरू चल देता है।
- ii. मैं खुद तुम्हें पैसे देना चाह रहा था।
- iii. वह खिलखिलाकर हँसेगा।
- iv. वे सत्त्व की चर्चा कर चुके हैं।
- v. मैं तुम्हें सबक सिखाना चाह रहा हूँ।
- vi. वे दवाइयों का बैग उठाकर चले जाएँगे।
- vii. विज्ञान अपनी चरमसीमा तक पहुँच चुका था।
- viii. उन्हें नमन करने का मन करेगा।

- ix. धीरे-धीरे आदमी का महत्त्व कम होता है।
- x. उद्योगों के विकास से मशीनों की संख्या बढ़ चुकी थी।